आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 8 • अंक-2287 • उदयपुर, सोमवार 29 मार्च, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

समाचार–जगत्
सकारात्मक व जनहितार्थ खबरें

सेवा–जगत्
सेवा पथ पर आपका नारायण सेवा संस्थान

समुद्र के नीचे बन रही हाइटेक सड़क

मुंबई में विकसित देशों की तर्ज पर देश की पहली समुद्र के नीचे हाईटेक सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस हाइटेक सड़क के लिए सुरंग बनाने का काम जनवरी 2021 से शुरू हो चुका है जिसे 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

इसमें आपातकालीन स्थिति के लिए अलग लेन होगी। किसी भी लेन में हादसा होने पर तुरंत मुंबई नगर निगम आपातकालीन नियंत्रण कक्ष, मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस व यातायात पुलिस को सूचना व लोकेशन जाएगी।

इस सुरंग के शुरू होने से लाखों लोगों का घंटो ट्रैफिक जाम में जाने वाला समय बचेगा। वैसे सुरंग निर्माण में कुछ चुनौतियां भी है। समुद्र के पानी का सुरंग में रिसाव हो जाता है। पानी के दबाव के कारण सुरंग बंद होने को खतरा भी है।

ऐसी होगी सुरंग : तीन अंडर सी सुरंगों में से प्रत्येक में दो लेन होगी। पहली 3 मीटर व दूसरी 3.2 मीटर चौड़ी होगी। एक–एक आपातकालीन लेन भी होगी इन सुरंगों में–11 क्रॉस सेक्शन सुरंगे दोनो सुरंगों को जोड़ेगी।

ऐसे पूरा होगा 2023 तक

– 20 प्रतिशत मार्च 2021 तक पूरा।
– 55 प्रतिशत दिसंबर 2021 तक।
– 85 प्रतिशत दिसंबर 2022 तक।
– 100 प्रतिशत जुलाई 2023 तक।

टीबीएम का प्रयोग

- 12.19 मीटर चौड़ी खुदाई में सक्षम चीन की टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का प्रयोग।
- 18 मीटर चौड़ा शाफ्ट खोदा है मशीन को जमीन से नीचे उतारने के लिए।
- 30 लोगों की टीम मशीन को संचालित करेगी, मजबूत चट्टान काटने में सक्षम।

जल निकासी प्रणाली

- वाहनों से तेल रिसाव, आग रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम।
- 50–50 मीटर दूरी पर फायर डिस्चार्ज के लिए नालियां।

कितनी हवादार

- कार्बन मोनो ऑक्साइड जैसी गैसों से बचाने के लिए उच्च तकनीक यंत्र।
- नियंत्रण के लिए सैकार्डो वेंटिलेशन सिस्टम (एयर जेट फैन) का प्रयोग

महात्त्वाकांक्षी सुरंग परियोजना

इस प्रोजेक्ट के तहत दो समान सुरंगें जिनकी लंबाई 2.07 किमी होगी। इसके अलावा बांद्रा–वर्ली सी लिंक के वर्ली लिंक–एंड तक 10.58 किमी लंबी सुरंग होगी। ये देश की पहली अडंर सी रोड़ टनल होगी जो गिरगांव चौपाटी के पास अरब सागर से होकर गुजरेगी। तीनों सुरंगें प्रियदर्शन पार्क से शुरू होकर मरीन ड्राइव में नेताजी रोड़ पर समाप्त होगी। दक्षिण मुंबई को उत्तर–पूर्व के टोल मुक्त सड़के से जोड़ने का उद्देश्य है। यह प्रोजेक्ट 12,721 करोड़ रुपए का है।

संस्थान द्वारा दिव्यांग दम्पती व बच्चे की मदद

नारायण सेवा संस्थान ने दिव्यांग धर्माराम (13) और रमेश मीणा (28) को उनकी विपरीत परिस्थितियों में तात्कालिक मदद पहुँचाई है। कानोड़ तहसील जिला उदयपुर (राज.) के तालाब फलां निवासी रमेश पुत्र वाला मीणा का घर आग लगने से स्वाह हो गया था। संस्थान ने अनाज, वस्त्र, कम्बल मसाले आदि देकर उसकी मदद की। रमेश और उसकी पत्नी लोगरी दोनों ही जन्मजात दिव्यांग है। चार बच्चों के साथ गृहस्थी को चलाना, पहले से ही इसके लिए भारी था और अब घर के जल जाने से उस पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं मंगलवार को पीआरओ विपुल शर्मा को फुटपाथ पर मिले धर्मा पुत्र कंवरलाल को व्हीलचेयर, कपड़े, बिस्किट एवं राशन देने के साथ उसका सीपी टेस्ट करवाया। इस बालक की दो वर्ष पूर्व बीमारी के दौरान आवाज और आंखों की रोशनी चली गई थी। अब इसके पांव भी नाकाम हो गए है। डॉक्टर्स टीम आवश्यक चिकित्सा के लिए प्रयासरत हैं।

संस्थान निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने कहा कि विषमता में परेशान दिव्यांगों एवं दुखियों को ज्यादा से ज्यादा मदद पहुंचाने के लिए संस्थान तत्पर है। इस अवसर पर विष्णु जी शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद जी गौड़, दिलीप सिंह जी, फतेहलाल जी मौजूद रहे।

राहुल को लगे कृत्रिम पैर

शाहदरा– दिल्ली निवासी एवं संस्थान के विशिष्ट सेवा प्रेरक श्री रविशंकर जी अरोडा ने लॉक डाउन (कोरोना काल) के दौरान दोनों पांवों से दिव्यांग एक युवक के कृत्रिम पैर लगवाए।

दिल्ली के बदरापुर निवासी युवा क्रिकेट खिलाड़ी 2018 में जबलपुर मैच खेलने गए थे। लौटते समय चलती ट्रेन से नीचे गिर पड़े और पांव पहियों के नीचे आकर कट गए थे। राहुल को अब चलने फिरने में किसी सहारे की जरूरत नहीं है। उन्होंने संस्थान एवं व उसके विशिष्ट सेवा प्रेरक–अरोडा जी का आभार व्यक्त किया है।

कृत्रिम अंग माप एवं सहायता शिविर

लखनऊ : यात्री निवास गुरुद्वारा दुःख निवारण मंदिर के पास रामनगर, आलम बाग लखनऊ में कृत्रिम अंग वितरण शिविर में आयोजित हेतु दिव्यांगों भाई– बहनों के कृत्रिम हाथ–पैर लगाने बाद उनके जीवन की नई शुरूआत हुई। जिसमें चयनित दिव्यांगों को 07 कृत्रिम अंग तथा 01 कैलिपर, वैशाखी आदि वितरण किये गये। शिविर में मुख्य अतिथि लक्ष्मण प्रसाद जी पाण्डे, अध्यक्ष अभिषेक जी हाड़ा विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र जी हाड़ा श्रीमती रेखा जी मिश्रा, डॉ. सुषमा जी तिवारी आदि मेहमान उपस्थित रहे, दिव्यांगों के साथ आए परिजनों के चेहरे पर एक अलग खुशी देखने को मिली। उनका कहना है कि संस्था द्वारा दिव्यांगों के प्रति बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

शिविर में टीम में लाल सिंह जी भाटी, बद्रीलाल जी शर्मा, श्री नाथू सिंह जी आदि ने अपनी सेवाएं दी।

जयपुर में वितरित हुए कृत्रिम अंग एवं राशन किट

दिव्यांगता के क्षेत्र में अग्रणी नारायण सेवा संस्थान द्वारा हेरिटेज होटल ब्रह्मपुरी पुलिस स्टेशन के सामने, आमेर रोड़, जयपुर में कृत्रिम अंग एवं राशन वितरण शिविर आयोजित हुआ। शिविर प्रभारी मनीष जी खण्डेलवाल ने बताया कि दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर और वैशाखी, कैलिपर आदि प्रदान किये गये एवं गरीब परिवारों को निःशुल्क राशन दिया गया। शिविर में मुख्य अतिथि श्री सुरेन्द्र जी पारीक, अध्यक्ष मंहतश्री बच्चनदास जी, विशिष्ट अतिथि श्री राघवेंद्र जी महाराज, श्री चमनगिरी जी महाराज, श्री अमर जी गुप्ता, श्री चिराग जी जैन, श्री घनश्याम जी सैनी, श्री लक्ष्मण जी समतानी, श्री चिरंजीलाल जी, श्री अशोक जी झामानी, श्री भूपेन्द्र प्रताप जी सोनी एवं कई गणमान्य मेहमान उपस्थित थे। संस्थान द्वारा नारायण गरीब परिवार राशन योजना के अंतर्गत 50 हजार परिवारों को राशन का लक्ष्य निर्धारित किया है इसके अंतर्गत 28 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट दिये गये साथ ही दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग, कैलिपर वितरण किये। शिविर टीम में भंवरसिंह जी, हुकुमसिंह जी ने अपनी सेवाएं दी।

भोपाल केम्प में 230 कृत्रिम अंग बांटे
नर सेवा-नारायण सेवा' प्रशंसनीय कार्य- साध्वी प्रज्ञा जी ठाकुर

भोपाल (मध्य प्रदेश) में पंचदिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन नारायण सेवा संस्थान एवं भोपाल उत्सव मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में 18 से 22 नवम्बर 2020 मानस भवन में हुआ। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त जी अग्रवाल ने बताया कि शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने किया। शिविर में आये हुए दुर्घटना से शारीरिक रूप से असक्षम हुए दिव्यांगों से वार्तालाप करते हुए उन्होंने कहां कि जो इलाज के लिए जगह–जगह जाकर निराश हो चुके है या निर्धनता की वजह से असहाय है उनके लिए नारायण सेवा– नर सेवा करके बहुत ही प्रशंसनीय कार्य कर रही है।

शिविर की अध्यक्षता भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन जी अग्रवाल ने की। उन्होंने कहां कि हर वर्ष की भांति हमने संस्थान के साथ जुड़कर मध्यप्रदेश के दिव्यांगों के सेवार्थ शिविर किया है। यह हमारा 10 वां आयोजन है। इस शिविर में 230 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ–पैर लगाए गए।शिविर के संयोजक सुनील जी जैनाविन ने बताया कि हम सब के लिए यह सुखद एवं हर्ष का विषय है कि दिव्यांगों के कल्याणार्थ शिविर आयोजित करके उनेक कष्टमय जिन्दगी में कुछ राहत प्रदान कर पा रहे हैं। नारायण सेवा के सहयोग से हमने हजारों दिव्यांगों के ऑपरेशन करवाए है और सैकड़ो दिव्यांग भाई–बहिनों को सहाय–उपकरण ट्राईसाइकिल, व्हीलचैयर एवं वैशाखी दिए है। इन रोगियों को निःशुल्क भोजन एवं आवास की व्यवस्था भी मुहैया करवाई गई। शैलेन्द्र जी निगम, डॉ. योगेन्द्र जी विरेन्द्र कुमार जैन, नारायण सिंह कुशवाह, प्रहलाद जी अग्रवाल, श्रीमती शारदा राठौड़, कृष्ण गोपाल जी गठानी आदि ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। पंचदिवसीय शिविर में ऑर्थोटिस्ट एवं प्रोस्थोटिस्ट डॉ. नेहा अग्निहोत्री की टीम ने रोगियों को प्रोस्थेटिक पहनाएं और हाथ को मूमेन्ट करने का प्रशिक्षण भी दिया। शाखा संयोजक विष्णु जीशरण सक्सेना भी उपस्थित थे।

भीण्डर (उदयपुर) में दिव्यांग जांच चयन, उपकरण वितरण शिविर

एडीप योजना के अंतर्गत नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को पंचायत समिति भीण्डर में निःशुल्क दिव्यांगता जाँच, चयन एवं उपकरण वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि पंचायत समिति भीण्डर प्रधान श्रीमान हरिसिंह जी सोनिगरा, अध्यक्ष श्रीमान प्रहलाद सिंह जी, श्रीमान लक्ष्मीलाल जी आमेटा, विकास अधिकारी श्रीमान भंवरलाल जी मीणा, श्रीमान खेमराज जी मीणा ने अपने हाथों से दिव्यांगों को सहायक उपकरण भेंट किये। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि डॉ मानसरंजन जी साहु ने 45 रोगियों की जांच करते हुए 03 दिव्यांगों का ऑपरेशन के लिये चयन किया, 05 निःशक्त बंधुओं को ट्राईसाइकिल, 07 को व्हीलचेयर, 10 को वैशाखियां दी गई तथा 04 का कैलिपर्स का नाप लिया गया। शिविर में हरिप्रसाद जी लड्ढा, लोगर जी डांगी, मोहन जी मीणा, नरेन्द्र सिंह जी झाला ने भी अपनी सेवाएं दी।

सम्पादकीय

सेवा करने का सौभाग्य जो पाता है वह अपने जीवन में आनंद की अनुभूति करता है। सेवा केवल परमात्मा के वरदान से ही संभव है। सेवा का विचार करना, सेवा के लिए कदम बढ़ाना, सेवा संसाधनों के लिए अपनी सम्पदा का सदुपयोग करना और सेवा के भावों का प्रसार करना, ये सभी सेवा के विविध आयग्म व अंग हैं। ये सभी कार्य या इनमें से कोई भी कार्य केवल और केवल ईश्वरीय अनुकम्पा से ही संभव है। ईश्वर अपने भक्तों को श्रेय देना चाहते हैं। वस्तुतः सेवा को करना या सेवा का होना दोनों ही परमात्मा के ही प्रताप हैं पर वे किसी न किसी को इसका श्रेय देकर प्रेम प्रदर्शित करते हैं। परमात्मा की कृपा से ही सेवा के प्रति व्यक्ति उन्मुख होता है। जिसको सेवा में रस आ रहा है, जो सेवा कार्यों की सराहना करता है, जिसे सेवा कार्यों में सहयोग देकर आनंद अनुभूत होता है इसका अर्थ है कि उस पर प्रभु कृपा हो रही है। यह कृपा सभी पर हो ऐसी शुभकामना।

कुछ काव्यमय

हाथ पकड़ के दीन का,
कदम चलूं दो चार।
यह आदत सध जाय तो,
खुश होवें करतार।।
हाथों से परमार्थ हो,
मन में मंगल भाव।
दीन–दुखी पर कर सकूँ,
सुख की ठंडी छांव।।
सेवा हेतु कदम बढे,
ऐसा रचूं विधान।
देना हो तो बस यही,
ईश्वर दो वरदान।।
कोई जब तक है दुःखी,
फिर कैसा आनंद।
व्यर्थ सम्पदा, विद्वता,
दुनिया के सब फंद।।
सेवा का सौभाग्य जब,
मिल जाये तो मोद।
हृदय प्रफुलित हो उठे,
सरसे मनोविनोद।।

- वरदीचन्द राव, अतिथि सम्पादक

करोना वायरस

तेजी से फैलने को रोकने के लिए कैश लेनदेन कम करें

मोबाइल वॉलेट, पेटीएम, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और यूपीआई आदि का प्रयोग ज्यादा करें!

जनहित में ज्यादा से ज्यादा शेयर

अपनों से अपनी बात

राजा की सीख

एक राज्य का राजा बहुत दयालु था। वह प्रतिदिन सुबह टहलने जाता था। उसे द्वार पर जो भी पहला याचक मिलता था वह उसे उसकी मनचाही वस्तु दान में देता था। यह सुनकर एक लोभी व्यक्ति एक दिन सुबह होते ही राजा के द्वार पर जाकर खड़ा हो गया। जैसे ही राजा ने द्वार पर याचक को देखा तो पूछा हे– बंधुवर! आपको क्या चाहिए? लालची व्यक्ति ने नाटकीय ढ़ंग से कहा राजन, आप जो भी देंगे वह मुझे स्वीकार होगा। तब राजा ने कहा– नहीं आप कुछ बताएंगे तभी मैं दे पाऊंगा।

वह विचार में पड़ गया। उसने राजा से कहा– मुझे सोचने का समय दीजिये। मैं कुछ विचार कर बाद में मांग लूगा। राजा ने सहमति प्रदान कर दी। उसने मन ही मन सोचा कि मैं एक याचक हूँ और वह एक राजा । क्यों न पूरा राज– पाट ही मांग लूँ। जिससे फिर जीवन में कभी मांगने की जरूरत ही ना पड़े। राजा जब टहलकर वापस आए और व्यक्ति से पूछा तो उसने शीघ्रता से पूरा पूरा राज– पाट मांग लिया।

राजा ने उससे कहा– हे प्रियवर! आपने तो मेरी पीड़ा दूर कर दी। आपने मुझे भार– हीन बना दिया। इस राजकाज की वजह से न तो मैं ढ़ंग से खा पाता हूँ और न ही सो पाता हूँ। इसने तो मेरा संपूर्ण सुख– चैन ही छिन लिया। इसके कारण मुझे भगवान की भक्ति का भी समय नहीं मिलता है। जिसने मुझे मानव देह के रूप में जन्म लेने का अवसर दिया। हर क्षण मुझे प्रजा की चिंता को आपने पलभर में दूर कर दिया।

मैं आपका बहुत आभारी हूँ और रहूँगा। यह सुनकर लोभी की आँखे खुल गई। उसे राजा की महानता का अनुभव हुआ तथा उसे अपनी ही सोच पर पछतावा हुआ कि राजा होते हुए भी इसे राजपाट का कोई मोह नहीं है जबकि मैं मोह– माया में पड़ गया। वह राजा को प्रणाम कर वहां से चला गया।

– कैलाश 'मानव'

न पालें गलतफहमी

किसी शहर में एक जौहरी की मृत्यु के उपरांत उसका परिवार संकट में पड़ गया। घर में खाने के लाले पड़ गए। एक दिन जौहरी की पत्नी ने अपने बेटे को अपना हीरों का हार देकर कहा–"बेटा, इसे अपने चाचा की दुकान पर ले जाओ और इसे बेचकर कुछ रुपए ले आओ।" बेटा हार लेकर दुकान पर गया।

चाचा ने हार बहुत देर तक अच्छी तरह से जाँचा–परखा और लड़के से कहा – "बेटा, माँ से जाकर कहना कि अभी बाजार जरा मंदा है, थोड़ा रुककर बेचना अच्छा दाम मिलेगा।" उस लड़के को कुछ रुपये देकर अगले दिन से दुकान पर काम करने आने के लिए कह दिया।

लड़का अब रोज दुकान पर जाने लगा और हीरों और रत्नों की परख का काम भी सीखने लगा। समय बीता और वह हीरों व रत्नों का अच्छा पारखी बन गया। दूर–दूर से लोग उसके पास अपने रत्नों की जाँच करवाने आने लगे।

एक दिन उसके चाचा ने उससे कहा –बेटा, अपनी माँ से वह हीरों का हार लेकर आना, अब बाजार में तेजी आ गई है, अच्छे दाम मिल जाएँगे। उसने घर जाकर अपनी माँ से वह हार माँगा और घर पर ही हार को परखा तो पाया कि हार तो नकली था।

वह दुकान पर खाली हाथ लौट आया तो चाचा ने पूछा– बेटा, हार नहीं लाए क्या? तब लड़के ने जवाब दिया– वह तो नकली था।

इस पर चाचा बोले जब तुम पहली बार वह हार लेकर आए थे, तब अगर मैं उस हार को नकली बता देता तो तुम यही सोचते कि आज हमारे ऊपर जब बुरा वक्त आया तो चाचा हमारी असली वस्तु को भी नकली बता रहे हैं, परंतु आज तुम्हें खुद पता चल गया कि वह हार नकली है।

सही व सच्चे ज्ञान के अभाव में मानव किसी भी वस्तु को गलत ही समझेगा और यही गलतफहमी रिश्तों में दूरियाँ ला देती है।

–सेवक प्रशान्त भैया

एसबीआई ने भेंट की नारायण सेवा को स्कूली बस

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक(दक्षिण) शिवओम जी दीक्षित ने शुक्रवार को बैंक के सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकल्प के तहत नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी को गरीब बच्चों की सेवार्थ 32 सीटर बस भेंट की। उन्होंने संस्थान द्वारा दिव्यांगों, निर्धनों , मूक बधिर, प्रज्ञा चक्षु व निःशक्त बालकों की अधुनातन शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए इन कार्यों में बैंक की सहभागिता निरन्तर रखने का आश्वासन दिया।

इससे पूर्व संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने स्वागत करते हुए संस्थान की 35 वर्षीय सेवा यात्रा का जिक्र किया और दिव्यांगों के लिए निर्माणाधीन 450 बेड के हॉस्पिटल की जानकारी दी। समूह प्रभारी पलक जी अग्रवाल ने लॉकडाउन के दौरान बेरोजगार और गरीबों को निःशुल्क राशन पहुंचाने की जानकारी दी। इस दौरान उपमहाप्रबंधक कुँवर दिनेश प्रताप सिंह जी तोमर, क्षेत्रीय महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार जी सुमन सहित उदयपुर आर एन्ड डीबी के पदाधिकारी भी मौजूद थे। अतिथियों ने झारखंड, मध्यप्रदेश, बिहार आदि राज्यों से आये दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल व व्हीलचेयर भी प्रदान की।

दिव्यांगों के द्वार संस्थान परिवार...

सायरा : एडीप योजना के अंतर्गत नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को पंचायत समिति सायरा में निःशुल्क दिव्यांगता जाँच, चयन एवं उपकरण वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मांगीलाल जी गरासिया, प्रधान सवाराम जी गमेती, उप– प्रधान भारत सिंह जी, विकास अधिकारी भँवर सिंह जी चारण और पूर्व उपप्रधान अभिमन्यु सिंह जी झाला ने अपने हाथों से दिव्यांगों को सहायक उपकरण भेंट किये।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि डॉ नेहा जी अग्निहोत्री ने 46 रोगियों की जांच करते 10 दिव्यांगों ऑपरेशन के लिये चयनित किया। आदिवासी 5 निःशक्त बंधुओं को ट्राईसाइकिल, 10 को व्हीलचेयर, 10 को वैशाखियों दी गई तथा 5 का कैलिपर्स का नाप लिया गया। शिविर प्रभारी दल्लाराम जी पटेल, हरिप्रसाद जी लड्ढा, लोगर जी डांगी, मोहन जी मीणा ने भी अपनी सेवाएं दी।

मावली : भारत सरकार की एडीप योजना के अंतर्गत नारायण सेवा संस्थान का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से पंचायत समिति मावली में सोमवार को दिव्यांगता जाँच, चयन एवं उपकरण वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसका उद्घाटन प्रधान पुष्कर लाल जी डांगी ने दीप प्रज्वलन कर किया। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि शिविर में आए 76 रोगियों की जांच व चिकित्सा डॉ मानस रंजन जी साहू ने की। उपस्थित अतिथि उपप्रधान नरेंद्र कुमार जी जैन, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक जी वैष्णव, समाज कल्याण विभाग के शुभम जी जैमिनी और सहायक विकास अधिकारी हरिसिंह जी राव ने 5 दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, 10 को व्हीलचेयर, 10 को वैशाखी और 2 को ब्लाइंड स्टिक भेंट किए।

5 दिव्यांगों का शल्य चिकित्सा के लिए चयन किया। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लड्ढा, लोगर जी डांगी, मोहन जी मीणा, नरेंद्र जी झाला, फतेह जी सिंह ने भी सेवाएं दी।

गिर्वा और गोगुन्दा के दिव्यांगजन हुए लाभान्वित

दिव्यांगता के क्षेत्र में अग्रणी नारायण सेवा संस्थान और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सहयोग से एडीप योजना के अंतर्गत गुरुवार को गोगुन्दा और शुक्रवार को गिर्वा पंचायत समिति में शिविर आयोजित हुआ।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि डॉ नेहा अग्निहोत्री एवं टीम ने दिव्यांगों की जांच व चिकित्सा करतेहुए गोगुन्दा में 26 दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर और वैशाखी बांटी। वही दूसरी ओर गिर्वा प्रधान सज्जन जी कटारा, विकास अधिकारी रमेश जी मीणा और सरपंच लक्ष्मी लाल जी मीणा की उपस्थिति में 38 रोगियों की ओपीडी हुई और 25 दिव्यांगजन को सहायक उपकरण निःशुल्क भेंट किए गए।

शिविर संयोजक दल्लाराम जी ने कहा कि टीम लीडर हरिप्रसाद जी लड्ढा, लोगर जी डांगी और मोहन जी मीणा ने दिव्यांगों को समझाइश करते हुए 12 ऑपरेशन चयनितों को संस्थान में लाने के लिए तैयार किया। इसके साथ ही नारायण गरीब परिवार राशन योजना के अंतर्गत निदेशक वंदना जी अग्रवाल की टीम ने 136 मजदूर परिवारों को मासिक राशन वितरण किया। उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा कोरोना प्रभावित 25 हजार से ज्यादा परिवारों तक राशन किट पहुँचाये है।

जयसमंद में दिव्यांगजन सहायता जांच शिविर

जयसमंद पंचायत समिति कार्यालय परिसर में बुधवार को प्रधान गंगाराम जी मीणा, उप प्रधान हंसा जी कुंवर की उपस्थिति में एडीप योजना के अंतर्गत नारायण सेवा संस्थान उदयपुर, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क शिविर का आयोजन हुआ। संस्था के अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि शिविर में दिव्यांगता जांच, चयन एवं उपकरण वितरण किए गए। डॉ. मानस रंजन जी साहु ने 45 मरीजों की जांच की, जिसमें 10 रोगियों को कैलीपर्स के लिए चयन किया। वहीं 8 निशक्त बंधुओं का ट्राई साइकिल, 7 जनों को व्हीलचेयर और 10 निशक्तजनों को वैशाखी वितरण की। इस दौरान शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लड्डा ने जनप्रतिनिधियों और अतिथियों का अभिनंदन किया। इस दौरान बीडीओ अनिल पहाड़िया, गातोड़ सरपंच हमीरलाल जी मीणा, वीरपुरा सरपंच नवलराम जी मीणा, सेमाल पूर्व सरपंच मांगीलाल जी मीणा, कैशियर ओमप्रकाश जी टेलर, अवधेश कुमार, देवी सिंह जी सिसोदिया, सहायक विकास अधिकार खेमराज जी, मोहन लाल जी मेघवाल, लोगर जी डांगी, मोहनलाल जी मीणा, कन्हैया लाल जी उपस्थित थे।

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है
www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com
: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023